Vol 5 Issue 4 Oct 2015
ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.org

Golden Research Thoughts
ISSN 2231-5063

Impact Factor : 3.4052(UIF)
Volume - 5 | Issue - 4 | Oct - 2015

GRT

''मध्य प्रदेश के उज्जैन नगर निगम में कमजोर वर्ग की महिला पार्षदों का नेतृत्व एवं कार्य प्रणाली का अध्ययन''

पूर्णिमा लोदवाल
सहायक प्राध्यापक , राजनीति विज्ञान , शा. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रतलाम.

प्रस्तावना

सर्वमान्य कल्याणकारी राज्य का मूल उद्देश्य स्थानीय स्व शासन के माध्यम से ही पूरा हो सकता है। प्रत्येक सभ्य समाज में स्थानीय संस्थाए आधुनिक सभ्यता का हृदय कहलाती है। प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्थाओं में जन–चेतना का मूल केन्द्र पंचायत, नगर पालिका एवं नगर निगम जैसी स्थानीय संस्थाएॅ रही है जिन पर व्यक्ति की सहायता एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की संवैधानिक जिम्मेदारी है, जिसे पंचायत एवं नगर निगम जैसी संस्थाओं की मदद से ही पूरा किया जा सकता है। प्रत्येक स्तर पर जनता की भागीदारी ओर शासन के उद्देश्य को पूरा करने की आवश्यकता है। जन–चेतना प्रजातंत्र का आधार है जिसे प्रभावशाली बनाने में स्थानीय स्वशासन की छोटी–छोटी इकाईयां सक्रिय रूप से मददगार हो सकती है। स्थानीय स्वशासन के माध्यम से आर्थिक नियोजन एवं सामाजिक पुर्नउत्थान जैसी राष्ट्रीय योजनाओं को व्यवहारिक रूप में क्रियान्वित कर जनता में रूचि पैदा की जा सकती है। हमारे संविधान निर्माता सम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतांत्रित गणराज्य का व्यवहारिक क्रियान्वयन जनता की भगीदारी एवं स्थानीय स्वशासन की छोटी–छोटी इकाईयों के माध्यम से चाहते थे। इस मूल धारणा के क्रियान्वयन के लिए उन्होने भारतीय संविधान में व्यवस्था की स्वर्गीय श्री राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल में क्रियान्वयन किया गया, कि इन स्थानीय इकाईयों के गठन के लिए संविधान में ही विनिर्दिष्ट उपबन्ध स्थापित किए जाएं।

प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्थाओं में स्थानीय संस्थाओं के इस महत्व के कारण ही इस अध्ययन में कमजोर वर्ग की महिलाओं का स्थानीय शासन में नेतृत्व एवं कार्यप्रणाली का अध्ययन किया गया है।

शोध के निम्नांकित उद्देश्य है –

प्रस्तावित शोध का उद्देश्य यह ज्ञात करना है कि वर्तमान में कमजोर वर्ग के नेतृत्व का स्वरूप क्या है ? वे निकायों की राजनीति में किस प्रकार भाग ले रहे हैं ? इसके अतिरिक्त शोध के निम्नलिखित बिन्दुओ पर केन्द्रित कर अध्ययन किया जायेगा –

1–नगर निगम द्वारा कमजोर वर्ग के विकास की दिशा में किए गए विभिन्न कार्यो का मूल्यांकन करना।
2–नगर निगम द्वारा कमजोर वर्ग के विकास कार्यो के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं एवं समस्याओं को ज्ञात करना एवं उनके निराकरण हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

शोध प्रविधि –

प्रस्तुत अध्ययन उज्जैन नगर निगम में कमजोर वर्ग के उभरते नेतृत्व की कार्य प्रणाली की भूमिका का अध्ययन पर केन्द्रित रहेगा। अध्ययन हेतु वैज्ञानिक एवं विश्लेषणात्मक पद्धति का प्रयोग करते हुए प्राथमिक एवं द्वितीयक स्त्रोतों से तथ्यों का संकलन किया जावेगा।

प्राथमिक समंको के संकलन हेतु उज्जैन नगर निगम के कमजोर वर्ग के पार्षदों से साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से तथ्यों को एकत्र किया गया है साथ ही आम जनता का पक्ष जानने हेतु उज्जैन नगर निगम क्षेत्र से 125 व्यक्तियों का रेंडमली चयन करके साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से सर्वेक्षण किया गया तथा द्वितीयक समंको के एकत्रण पत्र–पत्रिकाओं एवं सरकारी प्रकाशन में प्रकाशित तथ्यों को एकत्रित किया गया।

परिणाम एवं विश्लेषण

यह अध्ययन उज्जैन नगर निगम के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं महिला प्रतिनिधियों पर आधारित है। निदर्शन में आमजन सम्मिलित थे। इस सर्वेक्षण के माध्यम से जनप्रतिनिधियों के स्थानीय निकायों की कार्य प्रणाली में भूमिका

को ज्ञात किया गया है। जिसका विस्तृत विविरण इस प्रकार है–

अ. शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन संबंधित कार्य

पार्षदों का सबसे प्रमुख कार्य होता है, शासकीय योजनाओं से जनता को अवगत करावाने तथा उनका लाभ आमजन तक पहुंचाकर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में सहायता करे अतः अध्ययन में इस तथ्य को ज्ञात किया गया है कि शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में किस प्रकार सहायता की है ।

तालिका क्र. 1 स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी

नं.	स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हॉ	72	57.6
2	हॉ	52	41.6
3	उत्तर नहीं	1	.8
योग		125	100

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 57.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि हॉ उनका पार्षद स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी देता है, 41.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा है कि हॉ उनका पार्षद स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी नहीं देता .8 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उत्तर नही दिया इससे स्पष्ट होता है कि आधे से ज्यादा उत्तरदाताओं ने कहॉ कि हॉ पार्षद स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी देता है।

तालिका क्र. 2 हॉ तो कौन सी योजनाओं की

नं.	कौन सी योजनाओं की	आवृत्ति	प्रतिशत
1	स्वरोजगार योजना	14	19.4
2	गरीबी रेखा के नाम जोड़ने की	8	11
3	पेंशन योजना की	4	5.5
4	उत्तर नही	46	36.8
योग		72	57.2

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 29.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनका पार्षद में योजना की जानकारी देता, 19.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहॉ कि उनका पार्षद स्वरोजगार योजना की जानकारी देता, 14.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनका पार्षद गरीबी रेखा के नाम जोडने की जानकारी देता, 36.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उत्तर ही नहीं दिया, इससे स्पष्ट होता है कि एक तिहाई से ज्यादा उत्तरदाताओं ने हा कहने के बाद भी कोई योजनाओं की जानकारी नहीं दी।

तालिका क्र. 3 आर्थिक मदद

नं.	आर्थित मदद	आवृत्ति	प्रतिशत
1	गरीबी रेखा का राशन कार्ड	103	82.4
2	बेरोजगारी भत्ता दिलाकर	2	1.6
3	सस्ते दर पर ऋण उपलब्ध कराकर	9	7.2
4	सस्ते दर पर राशन दिलाकर	1	.8
5	उत्तर नहीं	10	8.0
योग		125	100

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 82.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनका पार्षद आर्थिक मदद गरीबी रेखा के राशन कार्ड बनाकर करता, 7.2 प्रतिशत उत्तरदताओं ने कहा कि पार्षद आर्थिक मदद सस्ते दर पर ऋण उपलब्ध राकर करता, 1.6 प्रतिशत उत्तरदताओं ने कहा कि उनका पार्षद आर्थिक मदद बेरोजगारी भत्ता दिलाकर करता, .8 प्रतिशत उत्तरदताओं ने कहा कि उनका पार्षद आर्थिक मदद सस्ते दर पर राशन दिलाकर करता, 8 प्रतिशत उत्तरदताओं ने उत्तर नहीं दिया, इससे स्पष्ट होता है कि तीन चौथई उत्तरदाताओं ने कहा कि उनका पार्षद कमजोर वर्ग की आर्थिक मदद गरीबी रेखा के राशन कार्ड बनाकर करता है।

तालिका क्र. 4 बेरोजगारी उन्मूलन हेतु योजनाओं का लाभ

नं.	बेरोजगारी उन्मूलन हेतु योजनाओं का लाभ	आवृत्ति	प्रतिशत
1	स्वर्ण जंयती शहरी रोजगार	81	64.8
2	शहरी स्वरोजगार योजना का	20	16.0
3	शहरी मजदूर रोजगार कार्यक्रम का	3	2.4
4	बेरोजगारी भत्ता दिलाकर	3	2.4
5	सभी	7	5.6
6	उत्तर नही	11	8.8
योग		125	100

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट हेता है कि 64.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना का लाभ दिला रहा, 16 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद शहरी रोजगार योजना का लाभ दिला रहा, 5.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद उपरोक्त सभी योजना का लाभ दिला रहा, 2.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद शहरी रोजगार योजना का एवं बेरोजगारी भत्ता दिलाकर लाभ दिला रहा, इससे स्पष्ट होता है कि आधे से ज्यादा प्रतिषत उत्तरदाताओं ने कहा है कि उनका पार्षद बेरोजगारी उन्मूलन हेतु स्वर्ण जंयती शहरी रोजगार योजना का लाभ दिला रहा है।

ब. मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने संबंधित कार्य

पेयजल की व्यवस्था, नाली निर्माण, प्रकाश व्यवस्था तथा सुलभ शौचालय की मूलभूत आवश्यकताऐं है। यह सुविधाएँ पार्षदों द्वारा किस प्रकार उपलब्ध कराई जा रही है। इसका अध्ययन प्रासंगिक है –

तालिका क्र. 5 पेयजल की व्यवस्था

नं.	पेयजल की व्यवस्था	आवृत्ति	प्रतिशत
1	सरकारी नल से	14	11.2
2	हेण्ड पंप द्वारा	25	20.0
3	सार्वजनिक कुएँ द्वारा	10	8.0
4	सभी	72	57.6
5	उत्तर नहीं	4	3.2
योग		125	100

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 57.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने पेयजल की व्यवस्था उपरोक्त सभी प्रकार से की, 20 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने पेयजल की व्यवस्था हेण्ड पम्प द्वारा की, 11.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने पेयजल की व्यवस्था सरकारी नल से की, 8 प्रतिशत उत्तरदाताओं न कहा पार्षद ने पेयजल की व्यवस्था सार्वजनिक कुंएं से की, 3.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उत्तर ही नहीं दिया, इससे स्पष्ट होता है कि आधे से ज्यादा उत्तरदाताओं ने कहा है कि उनके पाष्रद द्वारा पेयजल की व्यवस्था उपरोक्त सभी प्रकार से की है ।

तालिका क्र. 6 वार्ड में सुविधाएँ

नं.	वार्ड में सुविधा	आवृत्ति	प्रतिशत
1	सुलभ शौचालय की	17	13.6
2	मुत्रालय की	4	3.2
3	नाली निर्माण की	54	43.2
4	प्रकाश की	14	11.2
5	सभी	16	12.8
6	उत्तर नही	20	16.1
योग		125	100

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 43.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने वार्ड़ में नाली निर्माण की सुविधा प्रदान की, 13. 6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने वाड़ में सुलभ शौचालय की सुविधा प्रदान की, 12.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने वाड़ में उपरोक्त सभी प्रकार की सुविधा प्रदान की, 11.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद द्वारा वाड़ में प्रकाश की सुविधा प्रदान की, 3.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने वार्ड में मुत्रालय की सुविधा प्रदान की, 16.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कोई उत्तर नहीं दिया, इससे स्पष्ट होता है कि एक तिहाई से ज्यादा उत्तरदाताओं ने कहा है कि पार्षद द्वारा वार्ड में नाली निर्माण की सुविधा प्रदान की गई ।

विकास संबंधित कार्य/अन्य कार्य

पार्षदों द्वारा अपने वार्डो में जो विकास संबंधित कार्य किये जा रहे उनका मूल्यांकन करने से निम्न लिखित तथ्य प्राप्त हुए है –

तालिका क्र. 7 सार्वजनिक भवन का निर्माण

नं.	सार्वजनिक भवन का निर्माण	आवृत्ति	प्रतिशत
1	समुदायिक भवन का निर्माण	30	24.0
2	नहाने के स्थान का निर्माण	12	9.6
3	अन्य भवन का निर्माण	1	.8
4	उत्तर नही	82	65.6
योग		125	100

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 24 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने सार्वजनिक सामुदायिक भवन का निर्माण कराया, 9.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने सार्वजनिक नहाने के स्थान का निर्माण कराया, .8 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने सार्वजनिक अन्य भवन का निर्माण कराया, 65.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उत्तर ही नहीं दिया, इससे स्पष्ट होता है कि आधे से ज्यादा उत्तरदाताओं ने उत्तर ही नही दिया है।

तालिका क्र. 8 सडक निर्माण

नं.	सडक निर्माण कराया	आवृत्ति	प्रतिशत
1	नही करवाया	21	16.8
2	डामरीकरण	13	10.4
3	सीमेंट कांक्रीट वाली सडक	82	65.6
4	उत्तर नही	9	7.2
योग		125	100

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 65.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने सीमेंट कांक्रीट वाली सडक का निर्माण कार्य कराया, 16.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने निर्माण कार्य नही कराया, 10.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने डामरीकरण वाली सडक का निर्माण कराया, 7.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा पार्षद ने उत्तर नही दिया, इससे स्पष्ट होता है कि आधे से ज्यादा उत्तरदाताओं ने कहा है कि उनके पार्षद द्वारा सीमेंट कांक्रीट वाली सडक का निर्माण कार्य कराया।

निष्कर्ष एवं सुझाव

उपरोक्त अध्ययन से प्राप्त तथ्यों से स्पष्ट है कि पार्षदों की स्थानीय सुशासन में भूमिका सीमित रही है । इसके निम्नलिखित कारण रहे है –

1. अशिक्षा – नगर निगम में निर्वाचित अधिकांश पार्षद कम पढे लिखे है जिससे उन्हे अपने अधिकारों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी नही है। पार्षदों के चुनाव हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित होनी चाहिए साथ ही पाप्रदों को औपचारिक शिक्षा भी प्रदान की जानी चाहिए जिससे वे जनसाधारण की समस्याओं को हल कर सकें।

2. प्रशिक्षण का अभाव – अधिकांश पार्षदों को अपने कार्यो के संबंध में व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त नही होता है। उन्हे विभिन्न कार्य किस प्रकार करना चाहिए। इसकी जानकारी नहीं है जिसके कारण वह अपने कार्य को व्यवस्थित तरीके से नहीं कर पाते है। शासन द्वारा पार्षदों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए जिससे वह अपना कार्य व्यवस्थित कर सकें। इस हेतु सेमिनार तथा वर्कशाप कराई जानी आवश्यक है। साथ ही विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित होना चाहिए जिससे वे अपने कार्यो की सही अंजाम दे सके।

3. जागरूकता की कमी – पार्षदों में जागरूकता की कमी भी देखी गई है अगर वह जागरूक रहेंगे तो स्थानीय शासन में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है।

4. गुणवत्ता का अभाव – पार्षदों द्वारा जो कार्य किये गये है उन में गुणवत्ता का अभाव पाया गया है जिसके कारण यह निर्माण कार्य हो जाते है इन्हे पूनः निर्माण करवााने पड़ते है। पार्षदों को नैतिक रूप से सशक्त बनाया जाना आवश्यक है।

5. राजनीतिक परिपक्वता का अभाव – पार्षदों में राजनीतिक परिपक्वता का अभाव पाया जाता है। पार्षदों को व्यवहारिक राजनीति का ज्ञान राजनीतिक पार्टीयों द्वारा दिया जाना चाहिए।

6. क्षेत्र की समस्या को समस्या सही ढंग से सदन प्रस्तुत नहीं का पाना – कई पार्षद अपने क्षेत्र की समस्या सदन में सही ढंग से नहीं रख पाते है। अतः पार्षदों को व्यक्तित्व के विकास तथा नेतृत्व क्षमता का विकास करना चाहिए।

7. भेदभाव पूर्ण व्यवहार – पार्षद भाई–भतीजावाद के कारण अपने रिश्तेदारों को लिए लाभ पहुँचाते हैं सामान्य जन की उपेक्षा करते हैं। पार्षदो को भाई–भतीजावाद की संकुचित भावना से ऊपर उठकर जनसामान्य के हित में कार्य करना चाहिए।

8. अन्य – पार्षद आमजन को समय नहीं देते है अपने क्षेत्र का भ्रमण नहीं करते है। पार्षदों को न केवल कर्तव्य है बल्कि नैतिक दायित्व भी है

कि वे आमजन को समय दे तथा अपने क्षेत्र का भ्रमण करे।

इस प्रकार उपरोक्त सुझावों को अमल में लाने से पार्षद स्थानीय सुशासन में सार्थक भूमिका निभा सकते है साथ ही सुशासन के उद्देश्य को भी प्राप्त किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.अवस्थी, आनंद प्रकाश – मध्यप्रदेश में स्थानीय प्रशासन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल (2005)
2.अवस्थी, आनंद प्रकाश – मध्यप्रदेश में स्थानीय प्रशासन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल (2006)
3.अग्रवाल, गोपाल कृष्ण – भारतीय समाज तथा संस्थाए, साहित्य भवन, आगरा–3
4.एंथोनी एम. ओरम – ए इन्ट्रोडक्शन टू पोलिटिकल सोश्यालाजी, प्रिंट्स हाल एंजिल बुक विलियस न्युजर्सी (1978)
5.कटारिया सुरेन्द्र – सामाजिक प्रशासन, आर. बी. एस. ए. पब्लिशर्स, जयपुर (1997)
6.मुखर्जी रवीन्द्रनाथ – सामाजिक शोध व सांख्यिकीय, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली, (1990)
7.सिंह सुरेन्द्र एवं आर. वर्मा, बी.एस. – भारत में समाज कार्य का क्षेत्र, न्यूरायल बुक कंपनी, लखनऊ, (1997)
8. मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961
9.74 वॉ संविधान संशोधन अधिनियम, 1994
10.मध्यप्रदेश नगर पालिका संशोधन अधिनियम, 1994

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.org